मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 6

MHD–012

हिंदी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. हिंदी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.-012 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) *शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) एक सिख था, जिसे पागलखाने में दाखिल हुए पंद्रह बरस हो चुके थे। हर वक्त उसकी जबान से यह अजीबो-गरीब शब्द सुनने में आते थे : "औपड़ दि गड़ गड़ दि अनैक्स दि बेधयानां दि मुंग दि दाल आफ दी लालटेन....." वह न दिन को सोता था न रात को। पहरेदारों का यह कहना था कि पंद्रह बरस के तवील अर्से में वह एक पल के लिए भी नहीं सोया था, वह लेटता भी नहीं था। अलबत्ता कभी-कभी दीवार के साथ टेक लगा लेता था, हर वक्त खड़ा रहने से उसके पाँव सूज गए थे और पिंडलियाँ भी फूल गई थीं मगर जिस्मानी तकलीफ के बावजूद वह लेटकर आराम नहीं करता था।

(ख) इन सब बातचीत का परिवेशगत लक्ष्य निश्चित रूप से शैलबाला होती। वरना खबरें तो वास्तव में राजनीतिक ही होती हैं। मगर राजनीति के चाल चलन को लेकर शैलबाला से चर्चा–आलोचना संभव नहीं था। देश की समस्याओं को लेकर अपना दिमाग खराब करने का शैलबाला के पास वक्त नहीं है। अगर राशन वगैरह की कीमतें बढ़ती हैं तभी शैलबाला के पास अपने घरवाले के ऊपर नाराज़ होने का वक्त होता है और इन वस्तुओं की कीमत घटने पर प्रसन्न होने का। हालांकि अगर वे ध्यान से सुनें तो इन घटनाओं–दुर्घटनाओं पर चर्चा की जा सकती है।

(ग) दीदी की और एक साड़ी है। वह सन्दूक में करीने से रखी हुई है। उसे पहने दीदी को नहीं देखा। सन्दूक

खोलने पर खुशबू आती है, केतकी की खुशबू। केतकी की खुशबूदार साड़ी दीदी पहने तो खूब मज़ा आएगा।

खाना खाते ही अप्पू लेट जाता। लेकिन जब तक दीदी न आती, वह न सोता। रसोई साफ कर बर्तन माँजकर ही दीदी आती थीं। दीदी से लिपटकर सोते वक्त वह अपनी शंकाएँ एक-एक करके दीदी के सामने रखता। अक्सर वह जानना चाहता कि जानू ने जो कुछ कहा, वह सबकुछ झूठ है कि नहीं।

(घ) बेटे का कान के परदे फाड़ने वाला विकराल क्रंदन सुनकर बूढ़ा रोने लगा । काँपने लगा। उसकी ओर दीन नज़रों से देखने लगा। पिता के आँसू और शरीर में होने वाले कंपन को देखकर जयचन्द नीचे बैठ गया। उनकी छाती मलने लगा। आँखें पोंछने लगा और उसकी स्वच्छ, सुकुमार उँगलियों का प्रेम देखकर बूढ़े ने

उसका सिर छाती पर खींच लिया । उसे सहलाने लगा और पिछले चार-पाँच सालों से घर में होकर भी मानसिक दृष्टि से एकाकी हो चुका जय पितृ प्रेम का सुख लेते हुए उसी तरह छाती पर सिर झुकाए बैठा रहा।

2. जयकांतन ने मजदूर के कष्टप्रद जीवन और अंतर्मन का बारीकी से चित्रण किया है- इस कथन की 'ट्रेडिल' कहानी के आधार पर समीक्षा कीजिए। 10

3. 'एक अविस्मरणीय यात्रा' की मूल संवेदना विस्तार से लिखिए। 10

4. 'चिता' कहानी की प्रयोगशीलता और आधुनिक भावबोध को स्पष्ट कीजिए। 10

5. मध्यवर्गीय जीवन की विडम्बनाओं के संदर्भ में 'पाँच पत्र' कहानी की संवेदना स्पष्ट कीजिए। 10

6. कोंकणी महिला कहानीकारों में मीना व्याकोडकर का स्थान निर्धारित कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(क) तमिल कहानी की परंपरा

(ख) बधेई की प्रतीकात्मकता

(ग) 'दूजौ कबीर' की राजकुमारी

(घ) 'अपना अपना कर्ज़' की संवेदना

× × × × ×